



पड़ोसी लड़के ने मुझे पटा कर चोद दिया

“नेक्स्ट डोर भाभी हॉट सेक्स कहानी मेरी ही है. मुझे पड़ोस का एक लड़का प्यार भरी निगाहों से देखता था. मैं भी मुस्कुरा देती थी। वो होली के दिन मेरे घर आ गया. ...”

Story By: मनीषा4 (manishasharma)

Posted: Saturday, October 22nd, 2022

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [पड़ोसी लड़के ने मुझे पटा कर चोद दिया](#)

पड़ोसी लड़के ने मुझे पटा कर चोद दिया

नेक्स्ट डोर भाभी हॉट सेक्स कहानी मेरी ही है. मुझे पड़ोस का एक लड़का प्यार भरी निगाहों से देखता था. मैं भी मुस्कुरा देती थी। वो होली के दिन मेरे घर आ गया.

यह कहानी सुनें.

<https://www.antarvasna3.com/wp-content/uploads/2022/10/next-door-bhabhi-hot-sex.mp3>

हाय दोस्तो, कैसे हो आप!

अंतर्वासना पर मैं आपका स्वागत करती हूँ।

मेरा नाम मनीषा है. मेरी उम्र 28 साल है और मैं एक हाउसवाइफ हूँ।

मेरे घर में मैं, मेरे हर्बैंड और और हमारा एक बेबी है।

हम एक नॉर्मल फैमिली से बिलॉन्ग करते हैं।

सुबह को 9:00 बजे के आसपास मेरे हर्बैंड ड्यूटी पर चले जाते हैं और फिर पूरे दिन मैं घर में अकेली रहती हूँ।

घर पर फिर मैं अपना सारा काम खत्म करके अपना अधिकतर समय फोन पर ही बिताती हूँ।

मैंने अपने बारे में आप को और अपनी जिंदगी के बारे में थोड़ा आईडिया दे दिया है ; इससे ज्यादा मैं और कुछ नहीं बता सकती।

तो चलिए मैं सीधे भाभी हॉट सेक्स कहानी पर आती हूँ.

यह बात होली के समय की है।

मेरे पड़ोस में एक लड़का रहा करता था। उसकी उम्र 22 साल के आसपास होगी.

वह अभी पढ़ाई कर रहा था।

लेकिन वहां रहते हुए मैंने महसूस किया कि वह मुझे मन ही मन में पसंद करता था लेकिन मुझसे कहने से डरता था।

मैंने उसकी आंखों में सब देखा था।

और कहते भी हैं कि जो इंसान नहीं कह पाता उसकी आंखें सब कुछ बयां कर देती हैं।

मैंने उसके दिल में अपने लिए मोहब्बत देखी थी।

खैर हुआ यों कि यह देखा-दाखी हमारी बहुत लंबे समय तक चलती रही।

मैं भी उसे देखकर मुस्कुरा दिया करती थी।

उसके और मेरे बीच में इससे ज्यादा और कुछ नहीं चल रहा था।

जब भी मेरी और उसकी नजर मिलती वह मुझे बहुत प्यार से देखता और मैं भी उसे देखकर मुस्कुरा दिया करती।

अब हम कहानी के दूसरे पहलू पर आते हैं।

रात को जब मैं और मेरे हस्बैंड बिस्तर पर साथ होते थे तो मेरे हस्बैंड हमेशा से चाहते थे कि मैं किसी और के साथ एक बार सेक्स करूं, वो मुझे किसी और के साथ देखना चाहते थे। वे मुझे हमेशा इस बात के लिए कहते और मैं मना कर देती।

लेकिन फिर उन्होंने मुझसे कहा कि कम से कम सेक्स को अच्छा बनाने के लिए तो तुम हां

में हां मिला दिया करो।

मैं उनके दिल के हाव-भाव समझ गई और मैं उनकी खुशी के लिए तैयार हो गई।

जैसे सेक्स के टाइम मुझसे बातें करते वक्त किसी और से चुदवाने के लिए कहते थे तो मैं भी हां में हां मिलाकर चुदवाती थी।

लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, मेरी यह इच्छा सच में बदलने लगी।

मेरा सच में किसी के पास जाने का मन करने लगा।

लेकिन मैं एक भारतीय नारी थी अगर ऐसी कोई इच्छा मैं किसी के सामने रखती तो सब मुझ पर ही दोष लगाते।

अब समय बीतता गया.

मेरी जिंदगी में यह सब कुछ सामान्य चल रहा था।

उस दिन होली का दिन था।

मेरे हस्बैंड ने मेरे साथ होली खेली और हमने साथ में बैठकर उस दिन ड्रिंक की।

मुझे थोड़ा नशा सा हो रहा था।

उन्होंने मेरे सारे बदन पर रंग लगा दिया।

फिर मेरे हस्बैंड ने मेरी रेड कलर की ब्रा को नीचे सरकाया और मेरे बूब्स को अपने मुंह में लेकर चूसने लगे.

मुझे भी बहुत आनंद आने लगा, मैं भी उनका सर दबा कर अपने बूब्स चूसवाने लगी।

लेकिन फिर अचानक घर की डोर बेल बजी.

उन्होंने जाकर दरवाजा खोला तो उनके बहुत सारे दोस्त आए थे और वे उनके साथ होली

खेलने के लिए बाहर चले गए।

अब मैं घर पर अकेली थी।

उनके जाने के करीब 10 मिनट बाद वह लड़का घर पर आया जिसका मैंने कहानी के शुरू में जिक्र किया था.

उसने मुझसे 'भाभी नमस्ते' कहा।

तो मैंने भी कहा- आओ यू आर वेलकम!

उसने मुझसे कहा- भाभी, मुझे आपके साथ होली खेलनी है।

मैं उसकी तरफ देखकर मुस्कुरा दी और मैंने भी हंसकर कहा- क्यों ... और भाभी नहीं है क्या पड़ोस में ?

तो वह मेरा हाथ पकड़ कर नीचे बैठ गया जैसे किसी को प्रपोज करते हैं और मुझसे बोला- नहीं, आपके जैसी इस पड़ोस में कोई नहीं है। सच में आप मुझे बहुत अच्छी लगती हो। मैं आपके लिए जान भी दे दूंगा।

वह मेरे लिए एक गिफ्ट लेकर आया था और उसे मुझे देते हुए बोला- आपको मेरी तरफ से कभी कोई प्रॉब्लम नहीं होगी, मैं वादा करता हूँ।

लेकिन दोस्तो, मुझे इस तरह के वाक्य की बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी तो मेरा चेहरा एकदम लाल पड़ गया।

क्योंकि यह कहते कहते हुए वह रोने लगा था। उसका गिफ्ट मैंने स्वीकार कर लिया।

मैंने सब कुछ सामान्य करने के लिए उससे कहा- तुम बेड पर बैठो। मैं तुम्हारे लिए पानी लेकर आती हूँ।

मैं रसोई में उसके लिए पानी लेने के लिए चली गई।

वहां जाकर मैं सोचने लगी कि अगर आज मैं इसके साथ आगे बढ़ जाती हूं तो शायद मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं होगी।

मेरे हस्बैंड की फीलिंग की वजह से मुझे शायद थोड़ी परमिशन भी थी और कुछ हिम्मत भी थी।

लेकिन मैं यह सब हस्बैंड से अलग ही करना चाहती थी।

फिर मैं उसके लिए पानी लेकर चली आई मैंने उसको पानी ले जा कर दिया

हम वहीं बेड के कोने पर बैठकर कुछ देर तक बातें करते रहे।

फिर धीरे से वह मेरे पास आया और मेरे कंधों से और मेरे कानों से मेरे बालों को हटाकर मेरे कान की लटकन को अपने मुंह में ले लिया और चूसने लगा और मेरी गर्दन पर किस करने लगा।

ये मेरे शरीर के वह हिस्से थे जिनसे मेरा कंट्रोल एकदम छूट जाता है।

मेरी आंखें एकाएक बंद हो गई और मैं बेड पर पीछे की तरफ लेट गई।

मेरे सारे बदन पर रंग लगा हुआ था।

फिर धीरे-धीरे करके वह मेरी साड़ी नीचे खिसकाने लगा।

मैंने उसको रोकना चाहा लेकिन उसने मेरे दोनों हाथों को बहुत तेजी से पकड़ लिया और मेरे पेट पर बैठ गया और मुझे किस करने लगा।

वह मेरे लिए गिफ्ट लेकर आया था और उसने रोते हुए मुझसे अपने प्यार का इजहार किया था तो कहीं ना कहीं मुझे वह बहुत अच्छा इंसान लगा।

इसलिए मैं भी उसे नहीं रोक पाई ।

शायद इसलिए भी कि मुझे थोड़ा नशा हो रहा था ।

औरत को हमेशा एक सच्चा और अच्छा इंसान ही चाहिए जो उसके लिए कुछ भी कर जाए ।

तो औरत भी फिर उस इंसान के लिए कुछ भी कर जाती है यह जिंदगी की सच्चाई है ।

वह मेरी सारी बाँडी को किस करते हुए जा रहा था । वह मेरी नाभि को अपनी जीभ से चाटने लगा ।

धीरे-धीरे करके उसने मेरे सारे कपड़े निकाल दिए और मुझे पलट कर मेरे कमर और मेरे हिप्स पर भी किस करने लगा ।

सच बताऊं तो मुझे भी बहुत ज्यादा आनंद आ रहा था ।

फिर उसने मुझे सीधा किया और मेरी चूत को अपने मुँह में भर लिया ।

वह धीरे-धीरे करके मेरी चूत को चूसने लगा.

मैं भी उसके बालों में अपना हाथ फिराने लगी ।

वह कभी-कभी मेरी चूत में अपनी पूरी जीभ डाल देता और कभी बाहर के हिस्से पर धीरे-धीरे करके जीभ फिराता ।

उसके थूक से मेरी चूत पूरी गीली हो गई थी ।

बहुत देर तक ऐसे ही चूत को चूसने के बाद वह किस करता हुआ मेरे बूब्स तक आ गया और दोनों हाथों से मेरे बूब्स को दबाकर चूसने लगा ।

फिर उसने अपना लंड बाहर निकाला और मेरी चूत पर रख दिया और फिर धीरे-धीरे धक्के

लगाने लगा.

थोड़ी देर में पूरा लंड चूत के अंदर चला गया और वह मेरे जिस्म का जमकर मजा लेने लगा।

और आपकी भाभी हॉट सेक्स का मजा लेने लगी.

वह मेरे होठों को अपने होठों में लेकर चूसने लगा।

उसने मुझसे कहा- आपके जैसी भाभी मेरी जिंदगी में आ गई आप पर तो मैं सारी जिंदगी कुर्बान कर सकता हूं।

फिर उसने मुझे पेट के बल उल्टा पलट लिया और मेरे चूतड़ों में से होकर अपने लंड को मेरी चूत में डाल दिया।

उसने मेरे सारे बदन की कोली भर ली ; मुझे अपने जिस्म से चिपका कर चोदने लगा।

पीछे से मेरे हिप्स उसे पूरा मजा दे रहे थे।

वह मेरी कमर और मेरे कंधों को अपने दांतों से काट रहा था।

बहुत देर तक वह मुझे ऐसे ही चोदता रहा।

फिर मैंने उसको अपने ऊपर से हटाया और उसको नीचे लेट आया और मैं उसके ऊपर राइडिंग करने लगी।

मैं उसके लौड़े के ऊपर उछलने लगी।

सच बताऊं तो बहुत ज्यादा मजा आ रहा था।

और यह बात सच भी है की औरत ऊपर आने पर बहुत जल्दी झड़ जाती है।

मेरी भी वही हालत होने लगी थी मेरा शरीर एकदम अकड़ने लगा था और मेरी चूत पानी छोड़ने वाली थी।

कुछ और दो चार धक्कों के बाद मेरी चूत ने अपना सारा पानी छोड़ दिया।
कमरे में मेरी बहुत तेज तेज सिसकारियां गूंजने लगी और मैं उससे एकदम चिपक गई।

मैं निढाल होकर एक तरफ लेट गई।

फिर वह वापस से मेरे ऊपर आया और उसने फिर से अपना लंड मेरी चूत में डाल दिया।

अब मेरे से उसके धक्के नहीं सहे जा रहे थे क्योंकि मुझे अब दर्द हो रहा था अब मैं उसके नीचे छटपटा रही थी तो मैं उसे हटने को कहने लगी.

लेकिन मुझे ऐसा करता देख शायद वो और जल्दी झड़ गया और उसने भी अपना सारा वीर्य मेरी चूत में निकाल दिया।

कुछ देर मेरे नंगे जिस्म के ऊपर से उतरकर वह मेरे बराबर में ही लेट गया।

फिर मैंने उससे कहा- यार, तुमने तो कंडोम भी नहीं लगाया था।

तो उसने मुझसे कहा- कोई बात नहीं भाभी, आज ही शाम को मैं आपको गोली लाकर दे दूंगा।

फिर मैंने उससे कहा- ठीक है, अब तुम जाओ यहां से ... मेरे हस्बैंड कभी भी आ सकते हैं।
तो वह भाभी हॉट सेक्स का मजा लेकर वहां से चला गया।

फिर उससे दिन शाम को उसने मुझे गोली भी ला कर दी जिससे बच्चा ना रहे।

दोस्तो, इससे ज्यादा और उस दिन कुछ भी नहीं हुआ था।

जो हुआ था वह मैंने अपने शब्दों में आपको बयां कर दिया।

यह मेरी एक सच्ची कहानी है और यह सब मैंने अपने हस्बैंड से सीक्रेट भी रखा।

वह हमेशा मेरी इज्जत करता था और यौन इच्छाओं का ख्याल रखता था।

उसने मेरी चुदाई की बात किसी को नहीं बताई.

मैं उसे बहुत प्यार करती हूँ, अपना चोदू देवर मानती हूँ.

आप लोगों को मेरी भाभी हॉट सेक्स कहानी कैसी लगी मुझे ईमेल करके बताएं।

manishasharma4305@gmail.com

लेखिका की पिछली कहानी थी : [पड़ोसन भाभी ने मेरी अन्तर्वासना को समझा](#)

Other stories you may be interested in

खेल मैदान से चुदाई तक का सफ़र

हॉट कॉलेज गर्ल फ़क़ कहानी में मैंने एक स्पोर्ट्स गर्ल को अपने कमरे पर लाकर चोदा. मैं उससे एक स्पोर्ट्स इवेंट में मिला था. मुझे वो भा गयी थी. नमस्कार दोस्तो, मैं अक्की एक बार फिर से नयी और वास्तविक [...]

[Full Story >>>](#)

सेक्सी निजी सचिव बनी सविता भाभी

परिश्रम का फ़ल हमेशा मीठा होता है! कड़ी मेहनत, षडयंत्र और चुदाई के बाद आखिरकार सविता को मुख्यालय से बड़े साहब ने बुला ही लिया साक्षात्कार के लिए! सविता इसी का इंतजार कर रही थी। बड़े साहब उनसे मिलना चाहते [...]

[Full Story >>>](#)

किरायेदार लड़की की चूत चोदने को मिली

हॉट इंडियन गर्ल सेक्स का मजा मुझे तब मिला जब मेरे किराये के कमरे में पास में रहने वाली लड़की ने पहल करके कमरे में आकर चूत चुदवा ली. दोस्तो, मेरा नाम रोहित है. मेर उम्र 20 साल है और [...]

[Full Story >>>](#)

फेसबुक से मिली खूबसूरत भाभी को होटल में चोदा- 2

फ्री चूत की कहानी में मैंने फेसबुक से सेट करके होटल में बुलाया एक भाभी को! हम दोनों सेक्स करना चाहते थे पर वो मुझे तड़पा रही थी. दोस्तो, मेरी कहानी के पिछले भाग फेसबुक से खूबसूरत भाभी से सेटिंग [...]

[Full Story >>>](#)

फेसबुक से मिली खूबसूरत भाभी को होटल में चोदा- 1

इंडियन भाभी सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि फेसबुक पर चुदाई का माल ढूँढते हुए मेरी दोस्ती एक भाभी से हुई. खुल कर बात करने लगे. एक बार हमने होटल में मिलने का प्रोग्राम बनाया. नमस्कार दोस्तो, मैं तरुण कुमार आप [...]

[Full Story >>>](#)

